(४)

अत्यंत दुष्प्राप्य

इस्लाम में [illegible] में

(इसमें अल्ला-रसूल और श्रीकृष्ण की तुलना की गई है)

पत्र - ८

१८ वीं शती

M-104

निराकारानिरगुंन॥ नीकझ्यानिरंजंन॥ ताथे
अगंमरहासर्वंन॥ १२ केयो दृढाहोसदरवेस
फिरेसवेजोदेसवदेस॥ परयाणानाकाफ़ने
स॥ आगूलामकानकझानेस॥ १३॥ ॥ १॥

इतिसाषीकीचाल॥

छोडकरीसकंदरे॥ दृढालैपातीशाव॥ वका
अरसपायानली॥ उलंघनासकाख्वाव॥ १॥
गरेदृढउपरतले॥ षुदानयापाकिन॥ तव
लककानामनिराकार॥ कझानिरंजनसुन॥ २
जोरनामधरायाहकका॥ वेचूनवेचगून॥ क
हेहककुसूरतनहीं॥ वेसवीवेनेमून॥ ३ इत
थेआपामहमंद॥ लायाफुरमानहकीकत
देषारषोलमासनें॥ अरसहकसूरत॥ ४॥
मेषआयाहककाहकम॥ हक आवेगाआषु
त॥ कोलकियामुझसों॥ मेलायाहकुमारक
त॥ ५॥ उनरीअरवांहैअरथें॥ रूहेवारहजार

ओर उतरीगिरोहथ्येरस्ते ॥ कुंनसें हुवा
संसार ॥ ६ ॥ महंमदबुहै में उंमतपर ॥
लाया हकफुरमान ॥ जोलेवें मेरी हकीक
त ॥ ताए होवेंसवपैहेचांन ॥ ७ ॥ साततब
कतलें जिमीनके ॥ तिनपर है नासूत ॥ तिन
पर है कोयिरस्ते ॥ तिनपर है मलकुत ॥ ८ ॥
मलकुतनलेलाके ॥ लापर नूरमकांन ॥
नूरपार नूरतजला ॥ मेंतांहांसें लाया फुरमा
न ॥ ९ ॥ जवराईलपोहोचांनूरलगु ॥ मेंपो
होचा पार हजूर ॥ मेंवास्ते उंमतके ॥ वोहोत
करी मजकुर ॥ १० ॥ कहा सुन्नाने मुझको ॥ हर
फनवें हजार ॥ कह्या तीसजाहेर कीजीयो ॥
तीसतुमपर अबतीपार ॥ ११ ॥ बाकी जो तीस
रहे ॥ सोराषीयोछिपाए ॥ वकादरवाजषोल
सी ॥ अवरको हंमनुच्यार ॥ १२ ॥ कोलकियामे
सु हकने ॥

हमऽसवेंगेऽसाषर । ज्योऽसवेंईमांनरू
होकु तुमऽआएदीपोषबर । १३ । होएकां
जीहीसावलेएसी । दूनीकोंहोसीदीदार ।
जिसदेसीकाएम । लेसीरूहे नरकेपार ।। १४ ।।
ईसामेहेदीजवराईल ।। ऽोरऽसराफीलई
माम । मारहिजालएकदीनकरसी ।। घोल
सीऽलांकलाम ।। १५ ।। सोएकोलमांनेनही
होऽमुसलमांन । महंमदकेंजाहेर । पएए
ल्यावेंनाईमांन ।। १६ । तोजीनमांनेहक
सूरत ।। पातसाहऽवलीसजिनोदिल
केंहक्कीनहनादेषया ।। षुदानिराकार
सुन ।। १७ । सोएकोंलसरीपतनें ।। पकडली
याईनोस ।। कोंलतोडतरसूलका ।। एदसम
नवेंठादिलमो ।। १८ ।। ऽावरऽाएरहेऽ
ला ।। सोलीजोकरऽाकीन ।। एसमऽेगा
वेवरा ।। सोईमहंमददीन ।। १९ ।।

जोकछुकलामहंमदेनं॥ इसनीकसा
सोर॥ एमारुगनेंसोसजे॥ जोचरवा
अरसकीहाए॥ २०॥ सातलोकतलेजि
५ मीके॥ म्रतलोकहेंतिनपर॥ ईंद्रब्रम्हारु
द्रवीचमें॥ उपरवेकुठविस्नुघर॥ २१॥ नि
राकारवेकुंठपर॥ तिनपरअष्येरव्रम्ह
अष्येरातीतव्रम्हतिनपर॥ पोकेहैं ईसका
इलंम॥ २२॥ वेवरावेदकतेवका॥ दोनों
कीहकीकत॥ ईलमरोकेविधका॥ दोउकी
एकसरत॥ २३॥ ईसमहंमदमेंहदीएका
एनतीनोंकाएकईलंम॥ हकनांहीव्रम्हा
डमें॥ एहअजिनकेहकंम॥ २४॥ दुनीपावी
चव्रम्हांडके॥ एसाहोएईलंमलीए॥ हक
नजीकसेहरगसे॥ वीचवकावेठावेले॥ २५॥
करमकाउओरसरीपत॥ एतवमांनेमहंमद
जवईसाओरईमाम॥ होवेदोउसाहेद॥ २६॥

हीदूनमानेंकोंलमहंमद ॥ नासरीपतमुस
लमांन ॥ श्रोझांनचोंथेस्रासमांनथे ॥ आए
ईसादेंनेंईमांन ॥ २७ ॥ श्रोरश्रारईमाम ॥ उ
परश्रपनीसरत ॥ देंसाहेदीमहंमदकी ॥ करे
ईमामत ॥ २८ ॥ ईसाईमामउमतकुकहें ॥ च
ल्योतकेंममाफत ॥ देंसाहेदीमहंमदकी ॥ दूर
करोसवसक ॥ २९ ॥ पेहेलोलिख्यापुरमानमें
श्रावसीईसाईमामहजरत ॥ मारेगादिजाल
कों ॥ करसीएकदीनश्राप्रत ॥ ३० ॥ वेदोकहा
श्रावसी ॥ वुधईस्वरोकाईस ॥ मेटकलजुग
श्रसुराई ॥ देंमुगतसवोजगदीस ॥ ३१ ॥ वुध
व्रम्हसिस्टवासे ॥ श्रावसीकलावेद ॥ ए
वालुहें उंमतकी ॥ कोईश्रोरनजानेंलेद ॥ ३२ ॥
जोनेतनेलकश्रानिगमें ॥ सवलेगोतिनस
वद ॥ माएनेंनेराकारपारके ॥ कोसमझेंहुनी
याहद ॥ ३३ ॥

पेहेलेलोकसामेलकुतपर ॥ सबसो
ईरहेपकड ॥ पाईनाहकीकातिकुरानकी
तोकोईसकानऊपरचढ ॥ ३४ ॥ वेदक
हे ऊलदतीको ॥ पोहेचेनामंन सकल ॥
केहंकितावछोडसुरीयाको ॥ आगपोहो
चेंना अरसअसल ॥ ३५ ॥ निगमेगंम
कहीब्रम्हकी ॥ जोहेहकीकत ॥ हकवक
अरसऊमत ॥ जाहेरकरीमारफत ॥ ३६
नामसारोजुदेधरे ॥ लैसबोजुहीरसंम ॥
सबमेंऊमत और दुनीया ॥ सोईखुदासे
ईब्रम्ह ॥ ३७ ॥ लोकचौदेकहेवेदने ॥ सोक
तेबचौदेतबक ॥ वेहैफलेब्रेम्हएकहे ॥
कतेबकहेंएकहक ॥ ३८ ॥ तीनासिस्टकही
वेदने ॥ ऊमततीनकतेब ॥ लेनेनादेवेंमाए
नें ॥ दिलआडाहूसमंनफरेब ॥ ३९ ॥ होउक

हिवजूहूसनहें ॥ सरवासवमेएक ॥ वेद
कतेवसवकवतावे ॥ परयावेंनाकोईव
वेक ॥ ४० ॥ जोकछूकहांकतेववें ॥ सोई
कआवेद ॥ दोउवेदएकसाहेवके ॥ प
रलरत्नविनायरएन्नेद ॥ ४१ ॥ वोलीसवू
जुदीपरी ॥ नांमजुदेधरेसवंन ॥ चलन
जुदाकरदीपा ॥ ताथेसमअनायरीकिन ॥ ४२ ॥
ताथेंलईवडीउरमंन ॥ सोसमअाउदोर ॥
नांमनिसांनजाहेरवक ॥ ज्योसमझेंसव
कोए ॥ ४३ ॥ वीसमुचजाजीलायेरसा ॥
वृम्हांमेंकाईल ॥ जवराईलजोसघनीको ॥ ५
रूद्रनांमसञ्जराईल ॥ ४४ ॥ वुधवृम्हांमें
ननारद ॥ मिलव्यासेंवांछेकर्म ॥ एसरी
पतेहेवेदकी ॥ जासपेडसवलरमें ॥ ४५ ॥
वेदेंनारदकओमंनाविसनू ॥ जाकोभ्राप्पा
प्रजापत ॥ राहावृम्हकीग्यानकें ॥ सवविसनूव

१२६

तावत ॥४६॥ दंमन्ह अवलीस ज्ञा जील
को ॥ जालेकुरांनेकहीलानत ॥ वीचतोलीद
राह घोडा एके ॥ हारवा एवतावत ॥४७॥
सोई अवलीससबंनके ॥ दिलपरह पाया
तसाह ॥ एहीद समनदनीयका ॥ जिनमारी
सबकीराह ॥४८॥ मलकुलकनावेकुंठकु
मो हालत्व अघेरीयाल ॥ अष्येरकुनूरज
लाल ॥ अष्येरातीथनूरजमाल ॥४९॥ ब्र
म्हासिरकहीमोमनो ॥ कुमारकाफिरसे
नाम ॥ ठेर अष्येरसदरतलमुतहा ॥ अ
रसअजीमसोधाम ॥५०॥ श्रीठकुरांनी
जीरहचला ॥ नेहमदश्रीकृस्नजीस्याम
सबीपारहे दरगाहकी ॥ सूरत अष्येरपि
रस्तेनांम ॥५१॥ बुधजीक अस्रा फील ॥
विजेया अभिनंद ईमांम ॥ उरअसबवो
लीमिने ॥ वासेजुदेनांम ॥५२॥ वाकीतांवे